सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीतिअपार्टमेंट ,आई.पी.एक्सटेंशन,

पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२६

कक्षा:-7 | **विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक** | **पाठ:7 रावण वध**

मौखिक कौशल

1. यह नाटक रावण-वध विषय पर आधारित है।
2. सभी लड़के रावण का पुतला बनाने में जुटे थे।
3. नीना विकास की बहन थी।
4. नीना और स्मिता मुक्ता दीदी के घर गई।
5. मुक्ता एम.ए. की पढ़ाई कर रही थी।
6. मुक्ता नं लड़कियों को ऐसा रावण का पुतला बनाने का सुझाव दिया, जो बुराई का प्रतीक हो।

लिखित कौशल

1. (क) नीना रावण का पुतला बनाने में लड़कों की मदद करना चाहती थी। वह रावण की ड्रेस बनाना चाहती थी। परंतु लड़के उसका मनाक उड़ाने लगे। इसी बात पर नीना और लड़कों में झगड़ा हो गया।

(ख) लड़के नीना को रावण के पुतले की ड्रेस डिजाइनर और स्मिता को रावण की कोरियोग्राफ़र कहकर उनका मजाक उड़ा रहे थे।

(ग) नीना ने लड़कों के सामने फैसला किया कि हम अपना रावण का पुतला खुद बनाएँगी।

(घ) नीना और स्मिता रावण का ऐसा पुतला बनाना चाह रही थीं जिसमें कुछ नयापन हो। इसके लिए वे मुक्ता दीदी से मदद माँगने उनके घर गई थीं।

(ङ) इस प्रश्न का उत्तर स्मिता ने दिया कि एक तो, देवताओं की राक्षसों पर विजय हुई दूसरा इसी दिन राम ने रावण का वध किया। वैसे तो रावण प्रकांड विद्वान था और उसके दस सिर उसकी बुद्धि के प्रतीक थे लेकिन उसका आचरण राक्षसों जैसा था।

(च) लड़कियों ने रावण के दस सिरों का परिचय समाज द्वारा उनके प्रति होने वाले भेदभाव एवं अत्याचार को दर्शाते हुए दिया। जो इस प्रकार है- भ्रूण हत्या, लिंग भेद, कुपोषण, हत्यारा समाज, अशिक्षा, छोटी उम्र में विवाह, अनमेल विवाह, दहेज का राक्षस, घरेलू हिंसा और दहशत।

2. (क) विकास ने नीना से कहा।

(ख) उदय ने नीना से कहा।

(ग) मुक्ता ने नीना और स्मिता से कहा।

(घ) त्यागी जी ने सभी से कहा।

3. (क) इन पक्तियों का भावार्थ यह है कि दुनिया के पुरुष समाज की सोच नारी के प्रति राक्षस की सोच एवं उनके बुरे कुकृत्यों से मिलती है। समाज में पुरुष वर्ग नारी के प्रति नकारात्मक सोच रखते हैं। उन पर अत्याचार एवं उनका शोषण करते हैं।

(ख) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि लड़की को अपने ही घर, समाज और देश में तिरस्कार और कष्ट सहना पड़ता है। लेकिन अब समय आ गया है कि सभी बहनें मिलकर इस अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आवाज़ उठाए और इसे जड़ से खत्म कर है। उन्हें अपने हक के लिए लड़ना ही होगा।

मूल्यपरक

1. लड़का-लड़की के बीच होने वाले भेदभाव पूर्ण व्यवहार में शिक्षा द्वारा बदलाव लाया जा सकता है। समाज की शिक्षित किया जाना चाहिए। इसके अलावा समाज में लड़कियों के अधिकारों हेतु जागरुकता फैलाकर भी भेदभाव को खत्म किया जा सकता है।
2. इस वाक्य से मुक्ता के व्यक्तित्व के उदारता, सहयोग और परोपकार जैसे गुणों का परिचय निलता है।